Acharya Vidhyasagar Sudhasagar Jain Shodh Peeth
C.S.J.M. University, Kanpur
Odd Semester Examination 2025-26
M.A Prakrit (1st Semester)
द्रव्य संग्रह (A670703T)

निर्धारित समय: 3:00 घंटे **अधिकतम अंक: 75**

नोट- प्रत्येक खण्ड में यथानिर्दिष्ट प्रश्नों के उत्तर दीजिए |

खण्ड-क

प्रश्न-1 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए | प्रत्येक प्रश्न अनिवार्य है | 3*9=27 अंक

(क) जीव के कितने प्राण होते है?
(ख) उपयोग के कितने भेद है?
(ग) ज्ञानोपयोग के भेद लिखिए?
(घ) रस किसे कहते है?
(ङ) बादर जीव किसे कहते है?
(च) पर्याप्तियाँ कितनी होती हैं?
(छ) पुद्गल किसे कहते हैं?
(ज) पुदगल द्रव्य की पर्याय कितनी हैं ?
(झ) संसारी जीव के कितने भेद हैं?

खण्ड-ख

नोट-निम्नलिखित प्रश्नों में से केवल दो के उत्तर दीजिए | प्रत्येक प्रश्न के तीन भाग है | प्रत्येक प्रश्न के 3*4=12 अंक निर्धारित है | 12*2=24

प्रश्न-2 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए –

(क) अजीव द्रव्य का स्वरूप लिखिए ?
(ख) जीव द्रव्य की विशेषताएं लिखिए ?
(ग) दर्शनोपयोग के भेदों का वर्णन कीजिए ?

प्रश्न-3 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए –

(क) व्यवहार नय किसे कहते है?
(ख) गाथा की व्याख्या किजिए-
वण्ण रस पंच गंधा, दो फासा अट्ठ णिच्छया जीवे।
णो संति अमुत्ति तदो, ववहारामुत्ति बंधादो।
(ग) कोई दो गाथा लिखिए जो प्रश्न पत्र में न हो।

प्रश्न-4 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए –

(क) ज्ञानोपयोग के भेदों का वर्णन किजिए।

(ख) पुद्गल का स्वरूप लिखते हुए उसकी पर्यायों का वर्णन कीजिए?

(ग) आकाश द्रव्य का स्वरूप लिखिये ?

खण्ड-ग

नोट- निम्नलिखित प्रश्नों में से केवल दो उत्तर दीजिए | प्रत्येक प्रश्न के दो भाग हैं | प्रत्येक प्रश्न के 2*6=12 अंक निर्धारित है | 12*2=24

प्रश्न-5 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

(क) आचार्य नेमिचन्द्र सिद्धान्तिदेव का परिचय लिखिए?

(ख) छह द्रव्यों का स्वरूप लिखिये ?

प्रश्न-6 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए –

(क) द्रव्यसंग्रह के अनुसार जीव के स्वरूप का वर्णन कीजिए ?

(ख) द्रव्यसंग्रह ग्रन्थ का मंगलाचरण लिखकर उसका अर्थ लिखिए ?

प्रश्न-7 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए –

(क) गाथा का संदर्भ प्रसंग साहित अर्थ लिखिए?

अज्जीवो पुण णेओ, पुग्गलधम्मो अधम्म आयासं।
कालो पुग्गलमुत्तो, रूवादिगुणो अमुत्ति सेसा दु।।
मग्गणगुणठाणेहि य, चउदसहि हवंति तह असुद्धणया।
विण्णेया संसारी, सव्वे सुद्धा हु सुद्धणया।।

(ख) संसारी जीव के भेदों का वर्णन किजिए ?

प्रश्न-8 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए –

(क) गुणस्थान क्या है उसके भेदों को स्पष्ट कीजिए ?

(ख) धर्म द्रव्य के स्वरूप का वर्णन किजिए ?